अरबपतियों की रैंकिंग में उलटफेर

नई दिल्ली, 15 दिसंबर. दुनिया के अरबपतियों की सूची में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है.

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस दो पायदान की छलांग लगाकर दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं. यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब कई दिग्गज अरबपतियों की संपत्ति में तेज उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया है. खास तौर पर ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन को बड़ा झटका लगा है और वह फिसलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं. दूसरी ओर, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक बार फिर साबित किया है कि वह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति

की कुर्सी पर मजबूती से जमे हुए हैं. वहीं, गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन भी इस साल के बड़े गेनर्स में शामिल रहे हैं.

इस सूची में हुए बदलाव सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं हैं, बल्कि यह वैश्विक बाजार, टेक शेयरों की चाल और निवेशकों के भरोसे को भी दर्शाते हैं. भारत के लिहाज से भी यह सूची अहम है, क्योंकि मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं, जबकि गौतम अडानी अब भी टॉप-20 में शामिल हैं. ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की ताज़ा रैंकिंग ने दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में नई तस्वीर पेश की है. इस सूची में सबसे बड़ा बदलाव अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस के रूप में सामने आया है, जो अब दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं. बेजोस की कुल संपत्ति भले ही हालिया कारोबारी सत्र में 3.46 अरब डॉलर घटकर 249 अरब डॉलर रह गई हो.

> एलन मस्क अब भी दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं. उनकी कुल संपत्ति 470 अरब डॉलर तक पहुंच चुकी है, जिसमें एक ही दिन में 8.67 अरब डॉलर का इजाफा दर्ज किया गया. टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में निवेशकों के भरोसे ने मस्क की दौलत को मजबूती दी है. दूसरे स्थान पर गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज बने हुए हैं, हालांकि उन्हें भी हालिया सत्र में 2.36 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा.

रुपया रिकॉर्ड लो पर डॉलर के मुकाबले टूटा

मुंबई, 15 दिसंबर. विदेशी मुद्रा बाजार में सोमवार को रुपये की कमजोरी जारी रही. इंटरबैंकिंग बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया डॉलर के मुकाबले नए ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया. लगातार दबाव में चल रहे रुपये की गिरावट ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है. वैश्विक संकेतों और डॉलर की मजबूती के बीच घरेलू मुद्रा पर दबाव बना हुआ है. अंतरबैंकिंग विदेशी मुद्रा बाजार में सोमवार को रुपये में गिरावट का सिलसिला जारी रहा और यह डॉलर के मुकाबले नए निचले स्तर तक लुढ़क गया. कारोबारी सत्र की शुरुआत में रुपया 3.50 पैसे टूटकर 90.53 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. इसके बाद गिरावट और गहराई और यह 90.6550 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर तक पहुंच गया.

बेहतर जनसंपर्क में तीन डी का महत्व : डॉ. संजय

बेहतर समुदाय के लिए संवाद, समझ और सभी हितधारकों की भागीदारी जरूरी

सफलता के तीन स्तंभ—व्यवहार, ज्ञान और कौशल —का महत्व बताया

नई दिल्ली, 15 दिसंबर 2025, देहरादून! जनसंपर्क किसी भी सार्वजनिक सेवा का आधार है, पद्म श्री डॉ. बी. के. एस. संजय, अध्यक्ष, एम्स गुवाहाटी ने कहा. वे 47वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि थे.

डॉ. संजय, गिनीज विश्व रिकॉर्ड धारक, ने बताया कि भरोसा, पारदर्शिता और समाज के साथ सक्रिय सहभागिता से ही सार्थक सेवा संभव है. उन्होंने कहा कि बेहतर समुदाय के लिए संवाद, समझ और सभी हितधारकों की भागीदारी जरूरी है. सम्मेलन में माननीय श्रीमती ऋतु खंडूरी, उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष, और डॉ. रमेश पोखरीयाल 'निशंक', पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री भी उपस्थित थे. करीब 300 प्रतिनिधि देशभर से आए थे.

डॉ. संजय ने सफलता के तीन स्तंभ—व्यवहार, ज्ञान और कौशल —का महत्व बताया. उन्होंने मज़ाक में कहा, यदि आप कभी भूल जाएँ, तो मेरे आद्याक्षर याद रखें-क्यानी व्यवहार,च यानी ज्ञान, स्यानी कौशल. उन्होंने 3ष्ठ दृष्टिकोण—दस्तावेज़ीकरण, प्रदर्शन और प्रसार—पर जोर दिया. दस्तावेज़ीकरण सटीकता सुनिश्चित करता है, प्रदर्शन समझ बढ़ाता है और प्रसार सही दर्शकों तक संदेश पहुँचाता है. 3ष्ठ दृष्टिकोण जानकारी को प्रभाव में बदलता है, भरोसा बनाता है और हितधारकों के साथ सार्थक जुड़ाव को सक्षम करता है, डॉ. संजय ने कहा. उन्होंने सभी पेशेवरों से संरचित, पारदर्शी और आकर्षक जनसंपर्क की आवश्यकता पर जोर दिया.

रिलायंस जियो ने हैप्पी न्यू ईयर के ऑफर्स किए लॉन्च

नई दिल्ली, 15 दिसंबर. रिलायंस जियो ने नए साल 2026 के मौके पर अपने हैप्पी न्यू ईयर 2026 ऑफर्स की घोषणा की है। इन ऑफर्स के ज़रिए जियो ने एक बार फिर किफायती दामों पर उन्नत डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

लंबी वैधता, अनलिमिटेड 5जी और प्रीमियम ओटीटी कंटेंट के साथ ये प्लान देशभर के करोड़ों ग्राहकों को बेहतर कनेक्टिविटी और एंटरटेनमेंट का अनुभव देने के उद्देश्य से पेश किए गए हैं। हैप्पी न्यू ईयर 2026 ऑफर्स के माध्यम से जियो ने कनेक्टिविटी, एंटरटेनमेंट और एआई को एक साथ जोड़ते हुए एक समग्र डिजिटल इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। कंपनी का कहना है कि आने वाले समय में भी वह ग्राहकों को विश्वस्तरीय डिजिटल सेवाएं किफायती दरों पर उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करती रहेगी।

हैप्पी न्यू ईयर 2026 ऑफर्स के तहत जियो ने 3599 का हीरो एनुअल रिचार्ज पेश किया है। इस प्लान में 365 दिनों की वैधता के साथ अनलिमिटेड 5प्रतिशत, 2.5 जी बी प्रतिदिन हाई-स्पीड डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और 100 एसएमएस प्रतिदिन मिलते हैं। इसके साथ गूगल जेमिनी का 18 महीने दिया जा रहा है, जिसकी अनुमानित कीमत 35,100 बताई गई है। जियो का 500 सुपर सेलिब्रेशन मंथली प्लान 28 दिनों की वैधता के साथ अनलिमिटेड 5जी 2 त्नक्च प्रतिदिन डेटा और कॉलिंग सुविधाएं देता है।

बीएचईएल ने केंद्र सरकार को 109.98 करोड़ का दिया लाभांश

नई दिल्ली, दिसंबर 15-भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने भारत सरकार को वर्ष 2024-25 के लिए 109.98 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश दिया है.

इस संबंध में, भारत सरकार द्वारा धारित इक्विटी (63.17 प्रतिशत) पर अंतिम लाभांश के लिए एक चेक, श्री एच.डी. कुमारस्वामी, माननीय केंद्रीय मंत्री को श्री के. सदाशिव मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीएचईएल द्वारा, श्री कामरान रिज़वी, सचिव (एचआई) की उपस्थिति में प्रदान किया गया. इस अवसर पर बीएचईएल के निदेशक और भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे. गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के शेयरधारकों को दिया गया कुल लाभांश 174.10 करोड़ रुपये से अधिक है.

आर्याडॉटएजी का मुनाफा पहली छमाही में 39 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली, 15 दिसंबर. एग्रोटेक कंपनी आर्याडॉटएजी का शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान 39 प्रतिशत बढ़कर 32 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. पिछले वित्त वर्ष की समान छमाही में कंपनी ने 23 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था. कंपनी ने सोमवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि छमाही के दौरान उसका राजस्व 28 प्रतिशत बढ़कर 451 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. कंपनी किसानों को अनाजों के भंडारण की सुविधा प्रदान करती है. साथ ही वह उन्हें ऋण भी उपलब्ध कराती है. इसके अलावा, उपग्रह से फसलों की निगरानी और खेती संबंधी सलाह देने के कारोबार में भी है.

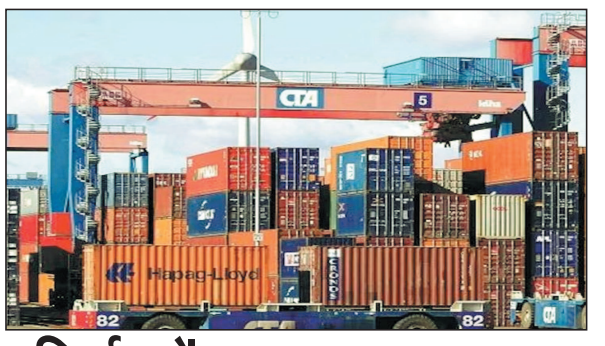

निर्यात में सुधार, व्यापार घाटा कम होकर 24.53 अरब डॉलर

आयात 76.06 अरब डॉलर से घटकर 62.66 अरब डॉलर रहा

ऊंचे शुल्क से प्रभावित अमेरिकी बाजार में निर्यात में तेजी से सुधार

नयी दिल्ली, 15 दिसंबर. सोना, पेट्रोलियम और कोयला आयात में गिरावट तथा अमेरिका को निर्यात में वृद्धि के चलते नवंबर में देश का व्यापार घाटा कम होकर 24.53 अरब डॉलर पर आ गया जो इसका पांच महीने का न्यूनतम स्तर है. अक्टूबर में सोने के आयात में उछाल के चलते व्यापार घाटा 41.68 अरब डॉलर तक पहुंच गया था.

व्यापार घाटे की घट-बढ़ विनिमय दर को प्रभावित करती है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी व्यापार के मासिक आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में देश का वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात अक्टूबर के 34.38 अरब डॉलर से बढ़कर 38.13 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि आयात 76.06 अरब डॉलर से घटकर 62.66 अरब डॉलर रहा. इस तरह नवंबर में वाणिज्यिक वस्तुओं के व्यापार में घाटा (निर्यात पर आयात का आधिक्य) पांच माह के न्यूनतम स्तर 24.53 अरब डॉलर के बराबर रहा. आलोच्य माह में सोने, तेल और कोयले के आयात में गिरावट दर्ज की गयी तथा ऊंचे शुल्क से प्रभावित अमेरिकी बाजार में निर्यात में तेजी से सुधार हुआ. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने निर्यात क्षेत्र ने अपनी मजबूती का प्रदर्शन किया है. चीन को छोड़कर दुनिया का व्यापार जहां बुरी तरह प्रभावित हुआ है, वहीं भारत के वाणिज्य निर्यात में वृद्धि बनी हुई है.

> सरकार ने इकाइयों को अमेरिकी शुल्कों के नकारात्मगक प्रभाव से बचाने के लिए जीएसटी में कटौती और निर्यात प्रोत्साहन के अन्य उपाय किये हैं. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने आज अपने कार्यालय में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि अमेरिका से व्यापार समझौते के लिए बातचीत अच्छी तरह चल रही है. पिछले दिनों अमेरिकी अधिकारियों का एक दल भारत आया था.

सोना रिकॉर्ड हाई पर, चांदी के दाम गिरे

732 रुपए तेजी के साथ आगे रहा सोना

3000 रुपए प्रति किलो सस्ती हुई चांदी

नई दिल्ली, 15 दिसंबर. सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने ने नया रिकॉर्ड बना दिया, चांदी के दामों में बड़ी गिरावट देखने को मिली. 15 दिसंबर को सोना 732 रुपये की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया.

वहीं चांदी करीब 3000 रुपये प्रति किलो सस्ती हो गई. अंतरराष्ट्रीय संकेतों और घरेलू मांग के बीच सोने-चांदी की कीमतों में यह उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए अहम माना जा रहा है. सर्राफा बाजारों में सोमवार को सोने के भाव रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए, जबकि चांदी के दामों में जोरदार गिरावट दर्ज की गई. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आज सोना 732 रुपये की तेजी के साथ बिना जीएसटी 1,33,442 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला. जीएसटी जोड़ने के बाद 24 कैरेट सोने का भाव 1,37,445 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. दूसरी ओर, चांदी के दामों में करीब 2,958 रुपये प्रति किलो की गिरावट आई है. आज चांदी बिना जीएसटी 1,92,222 रुपये प्रति किलो के भाव पर खुली, जबकि जीएसटी समेत इसका रेट 1,97,988 रुपये प्रति किलो दर्ज किया गया.

शेयर बाजारों में गिरावट सेंसेक्स 54 अंक फिसला

मुंबई, 15 दिसंबर. घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 54.30 अंक (0.06 प्रतिशत) फिसलकर 85,213.36 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 19.65 अंक यानी (0.08 प्रतिशत) गिरकर 26,027.30 अंक पर रहा. बाजार में आज शुरुआती गिरावट के बाद दोपहर बाद कुछ देर के लिए सेंसेक्स हरे निशान में भी गया था, हालांकि अंत में गिरावट में ही बंद हुआ.

यस बैंक के पूर्व सीईओ राणा कपूर से ईडी ने की पूछताछ

नयी दिल्ली, 15 दिसंबर. मशहूर उद्योगपति अनिल अंबानी से जुड़े पीएमएलए मामले की चल रही जांच में सोमवार को यस बैंक के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी राणा कपूरसोमवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय मुख्यालय में पेश हुए.

ईडी का आरोप है कि कपूर और अंबानी के बीच एक क्विड प्रो क्वो समझौता हुआ था, जिससे यस बैंक को खासा वित्तीय नुकसान हुआ. ईडी के अनुसार जब राणा कपूर यस बैंक के प्रमुख थे, तब 31 मार्च 2017 तक रिलायंस अनिल अंबानी समूह में बैंक का जोखिम लगभग 6,000 करोड़ रूपये का था. यह जोखिम 31 मार्च 2018 तक दोगुना होकर 13,000 करोड़ रूपये का हो गया. इसी अवधि के दौरान, बैंक ने समूह की कंपनियों रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड में 5,000 करोड़ रूपये से अधिक का निवेश किया. ईडी का दावा है कि इन निवेशों का एक बड़ा हिस्सा बाद में गैर-निष्पादित निवेश में बदल गया.

'बिहार में 'जीरो' उप्र-बंगाल में हीरो बनने की तैयारी'

पटना. बिहार के सियासी मैदान में करारी शिकस्त झेलने के बाद लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अब दूसरे राज्यों का रुख कर लिया है. अपनी नई नवेली पार्टी जनशक्ति जनता दल का खाता भी नहीं खोल पाए तेज प्रताप ने अब पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में ताल ठोकने का ऐलान कर दिया है. शुक्रवार को एक बातचीत में उन्होंने साफ कर दिया कि हार से उनका मनोबल टूटा नहीं है, बल्कि वो अब अपनी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की तैयारी में हैं.

हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनावों में तेज प्रताप की पार्टी जेजेडी को बुरी तरह पटखनी खानी पड़ी थी. हालात ये रहे कि वे खुद अपनी महुआ सीट भी नहीं बचा पाए और पार्टी का खाता तक नहीं खुला. इसके बावजूद, अब उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए कमर कस ली है. उन्होंने बताया कि पार्टी का विस्तार करने के लिए बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है. उनकी नजर अब 2026 में होने वाले बंगाल चुनाव और 2027 के यूपी चुनाव पर टिकी है.

परिवार से दूरी, नई पारी- राष्ट्रीय जनता दल और लालू परिवार से अलग होने का दर्द झेलने के बाद तेज प्रताप ने इसी साल अपनी अलग राह चुनी थी. उन्होंने नई पार्टी बनाई लेकिन बिहार की जनता ने उन्हें सिरे से नकार दिया. दिलचस्प बात यह है कि चुनाव में मिली हार के बाद उन्होंने नीतीश कुमार की अगुवाई वाली एनडीए सरकार को अपना नैतिक समर्थन देने की बात कही है. सियासी गलियारों में तब और चर्चा शुरू हो गई जब केंद्र की मोदी सरकार ने उन्हें पिछले महीने वाई प्लस सिक्योरिटी मुहैया कराई, जो उनके बदलते सियासी समीकरणों की ओर इशारा करती है.

> **अब 'दीदी' और 'बाबा' के गढ़ में नजर**
>
> तेज प्रताप अब अपने संगठन को धार देने में जुटे हैं. उन्होंने साफ किया है कि जेजेडी पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश दोनों जगह अपने प्रत्याशी उतारेगी. यानी अब उनकी टक्कर एक तरफ ममता दीदी के गढ़ में होगी तो दूसरी तरफ योगी आदित्यनाथ के यूपी में. हालांकि, अभी तक उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया है कि वे वहां किसी गठबंधन का हिस्सा बनेंगे या अकेले चुनाव लड़ेंगे. फिलहाल पूरा फोकस पार्टी के विस्तार और कार्यकर्ताओं को जोड़ने पर है. बिहार में मिली नाकामी के बाद पड़ोसी राज्यों में उनकी यह सियासी उड़ान कितनी ऊंची होगी, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा.

एआईएमआईएम ने हुमायूं को दिखाया आईना

ओवैसी की पार्टी ने गठबंधन से किया साफ इनकार

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में नई पार्टी बनाने की कोशिश कर रहे हुमायूं कबीर को बड़ा झटका लगा है. ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने उनके साथ किसी भी तरह के गठबंधन से साफ इनकार कर दिया है. पार्टी ने कबीर के प्रस्तावों को 'राजनीतिक रूप से संदिग्ध' बताया है.

यह बयान ऐसे समय आया है जब कबीर ने दावा किया था कि वह ओवैसी की पार्टी के संपर्क में हैं. हुमायूं कबीर हाल ही में मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' जैसी मस्जिद की नींव रखने को लेकर चर्चा में थे. इस विवाद के बाद टीएमसी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया था. अब एआईएमआईएम ने भी उनसे पल्ला झाड़ लिया है.

भाजपा और शुभेंदु से जोड़ा कनेक्शन- एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद असीम वकार ने हुमायूं कबीर पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कबीर को भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी का 'करीबी' बताया.

वकार ने कहा कि कबीर को व्यापक रूप से शुभेंदु अधिकारी के राजनीतिक तंत्र का हिस्सा माना जाता है. सब जानते हैं कि अधिकारी भाजपा के इशारे पर काम करते हैं. ऐसे में कबीर के साथ जाने का सवाल ही नहीं उठता. उनके प्रस्ताव हमारी विचारधारा से बिल्कुल मेल नहीं खाते.

> **'मुसलमान उकसावे की राजनीति नहीं चाहता'**
>
> एआईएमआईएम ने कबीर की मस्जिद वाली राजनीति को भी खारिज कर दिया. वकार ने कहा कि मुस्लिम समुदाय उकसावे से प्रेरित राजनीति का समर्थन नहीं करता. मुसलमान राष्ट्र निर्माण में विश्वास रखता है, उसे तोड़ने में नहीं. हम देश को मजबूत करने वाली ताकतों के साथ हैं. अशांति और विभाजन पैदा करने वालों को मुस्लिम समुदाय नकारता है. कबीर जिस तरह की राजनीति कर रहे हैं, वह समाज को बांटने वाली है.

विशेष उत्तर प्रदेश की राजनीति में उतरी नई 'सेना' को लेकर क्या हैं बड़े सवाल? क्यों हुआ है गठन?

उप्र में उभरती सुभासपा की आरएसएस

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नई 'सेना' उतरी है और इसे किसी सरकार ने नहीं, बल्कि एक सहयोगी मंत्री ने बनाया है. सवाल यह नहीं कि ये क्या करेगी, बल्कि ये है कि एक राजनीतिक दल को ऐसी सेना बनाने की ज़रूरत क्यों पड़ी? और क्या सरकार में होते हुए मंत्री अपनी सेना का निर्माण कर सकते हैं? ये सेना केवल एक संगठन नहीं है बल्कि इसके पास वर्दी है, हांथ में डंडा है और इन्हे मार्च परेड की ट्रेनिंग भी दी गयी है.

योगी सरकार में मंत्री और एनडीए सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने अपनी एक अलग सेना तैयार कर ली है. इस सेना का नाम है राष्ट्रीय सुहेलदेव सेना (आरएसएस). राजभर की राष्ट्रीय सुहेलदेव सेना पूरी तरह से एक कैडर-आधारित संरचना है, जो आधिकारिक रूप से 2004 में ही लॉन्च हो चुकी थी. मगर राजभर ने कहा कि पहले उनकी पार्टी सुहेलदेव सेना के नाम से समूह बनाती थी, लेकिन तब कोई वर्दी या रैंक नहीं थी. अब इसे औपचारिक रूप से शुरू किया गया है. और और ये सब हुआ 8 दिसंबर को आजमगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान जहाँ पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर पहुंचे हुए थे.

नई सेना का ढांचा क्या है?- सदस्यों को पार्टी की ओर से आईकार्ड भी जारी किए गए हैं. इसके अलावा अब इस राजनितिक संगठन की सेना के पास नीली वर्दी है, कंधों पर रैंक के अनुसार सितारे, छाती पर बैज, और हाथ में डंडा जो इनको बिलकुल सेना और पुलिस की

नए जमाने की राजनीति के प्रयोग की अग्नि परीक्षा!

देहरादून. युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बहाने उत्तराखंड में नए जमाने की राजनीति के भाजपा के प्रयोग की अब अग्नि परीक्षा है. वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रो इनकंबेंसी के बूते भाजपा की लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी बड़ी चुनौती है.

इस भारी-भरकम दायित्व को बखूबी समझते हुए ही धामी पहाड़ से लेकर मैदान तक लगातार दौड़ लगा रहे हैं तो राजधानी से दूर जिलों में रात्रि विश्राम कर जन संपर्क और संवाद की डोर से आमजन को भरोसा भी बंधा रहे हैं.

विकेंद्रीकृत गवर्नेंस के बूते समाज की नई अपेक्षाओं को धार देने का भाजपा हाईकमान का धामी माडल अब प्रदेश संगठन के लिए भी मूल मंत्र बनने जा रहा है. मिशन मोड में संगठन इस माडल के साथ कदमताल की तैयारी में है. मंत्री, विधायक हों, या नगर निकायों एवं पंचायतों के जनप्रतिनिधि अथवा भाजपा संगठन के पदाधिकारी मुख्यमंत्री धामी की भांति अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर रात्रि प्रवास करेंगे. उत्तराखंड में भाजपा ने पहले वर्ष 2021 और फिर प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार सरकार बनने के बाद पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री की बागडोर सौंपकर भरोसा जताया, तो उसके बाद सामने आए परिणामों ने पार्टी के निर्णय को सही साबित किया. धामी के अब तक के चार वर्ष के कार्यकाल पर नजर डालने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रारंभिक तीन वर्ष में उन्होंने पार्टी के कोर एजेंडे के रूप में समान नागरिक संहिता, मतांतरण को हतोत्साहित करने के लिए कड़ा कानून, दंगाइयों व बलवाइयों पर अंकुश लगाने के लिए एक्ट को प्राथमिकता दी. साथ में सरकारी भूमि पर धार्मिक प्रतीक चिह्नों की आड़ में अतिक्रमण के विरुद्ध धामी सरकार का डंडा चला.

> **धामी के सामने सबसे बड़ी चुनौती**
>
> अगला विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री धामी के सामने सबसे बड़ी चुनौती है. इसे भांपकर ही धामी रुकने को तैयार नहीं हैं. लगातार जिलों में कैंप करने का उनका क्रम जारी है. पिथौरागढ़ हो या बागेश्वर या चमोली का उच्च व मध्य हिमालयी क्षेत्र हो या मैदानी और तराई क्षेत्र जनता से संपर्क और संवाद का अवसर मुख्यमंत्री हाथ से जाने नहीं दे रहे हैं. जिलों में रात्रि विश्राम, आमजन और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री की बैठकों ने नौकरशाही से लेकर मंत्रियों और प्रदेश संगठन पर लक्ष्य आधारित काम का दबाव बढ़ा दिया है.